ना जाने किस रूप में आकर काम मेरा कर जाता है लिरिक्स

ना जाने किस रूप में आकर,
काम मेरा कर जाता है,
जब भी दिल से श्याम पुकारू,
लीले चढ़ आ जाता है।bd।

तर्ज – तेरी कृपा से श्याम प्रभु।

दर दर भटक रहा था मैं तो,
मिलता नहीं सहारा,
जीवन नईया बीच भंवर में,
दूर बहुत था किनारा,
बनकर मांझी मझधार से,
पार मुझे कर जाता है,
जब भी दिल से श्याम पुकारू,
लीले चढ़ आ जाता है।bd।

तेरी दया से ओ सांवरिया,
चलता है परिवार मेरा,
खुशियां दे दी इतनी तूने,
महक रहा संसार मेरा,
जब जब मुझ पे संकट आता,
तू ही साथ निभाता है,
जब भी दिल से श्याम पुकारू,
लीले चढ़ आ जाता है।bd।

सुख भी आये दुख भी आये,
हर पल लिया है नाम तेरा,
छोड़ दिया था अपनों ने,
फिर तुमने पकड़ा हाथ मेरा,
बना 'गोपाल' का तुमसे अब तो,
जन्मों का ये नाता है,
जब भी दिल से श्याम पुकारू,
लीले चढ़ आ जाता है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
ना जाने किस रूप में आकर,

काम मेरा कर जाता है,
जब भी दिल से श्याम पुकारू,
लीले चढ़ आ जाता है।bd।

Singer – Shalu Aarohi
Lyrics – Sh. Gopal Krishan Sharma
9381188890

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com